# सकल तम्बोली समाज

# संदेश

आदरणीय सकल तंबोली समाज सादर नमन...

मैं आप समाज जनों से लगभग 20 -25 वर्ष पूर्व की कुछ बात आप लोगो से सांझा कर रहा हूं। यह की मैं भीलवाड़ा राजस्थान तंबोली समाज के एक सामूहिक सम्मेलन में अपने पिताजी श्री लक्खूलाल जी चौरसिया के साथ शामिल हुआ था। और उसके दस बारह वर्ष पश्चात श्री मिश्रीलाल जी कुमरावत सकल तंबोली समाज के अध्यक्ष थे ।और उन्होंने मुझे सकल।तंबोली समाज का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया था। और उसके बाद ही मैने समाज सेवा की शुरुआत की थी। और शुरुआती दौर में जब मैं तंबोली समाज मैं लोगों से मिलना जुलना और समाज सेवा के दौरान मेरा परिचय तंबोली समाज के समस्त उपघटक (कुमरावत, बारी, बरई, यदुवंशी, चौरसिया) समाज से हुआ। उस वक्त मैंने तंबोली समाज के बाहुल्य क्षेत्रों में भ्रमण के दौरान मेरी मुलाकात श्री सुमन चौरसिया और कुमरावत समाज, श्री विरेन्द्र पटेल व अन्य वरिष्ठ जनों से हुई। उसके बाद सन 2000 में बालगढ़, नागदा में सकल तंबोली समाज के सामूहिक सम्मेलन की शुरुआत हुई और उसके पश्चात से सकल तंबोली समाज के सामूहिक सम्मेलन इंदौर, महू, भोपाल, में हुए है। सन 2010 में सकल तंबोली समाज की समाज जागरण रथ यात्रा निकाली गई थी। और आज जब मुझे समाज में भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया। तो मैंने आप सभी सकल तंबोली समाज के प्रबुद्ध जनों से सहयोग की अपेक्षा रखते हुए तंबोली समाज के समस्त घटको के समाजसेवियों को राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं प्रदेश स्तर प्रदेश के पदाधिकारी की नियुक्तियां की है। सकल तंबोली समाज के वरिष्ठजनों को अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली में सम्मानजनक स्थान देने का उद्देश्य तंबोली समाज को संगठित कर एकता के सूत्र में बांधना है ।और एक ऐसे शक्तिशाली संगठन को तैयार करना है। तथा राजनीतिक एवं शैक्षणिक और आर्थिक स्तर पर सकल तंबोली समाज के लोगों को सहायता और सहयोग प्रदान करना है मुझे आशा है कि मेरे इस छोटे से प्रयास को आप सभी सकल तंबोली समाज के प्रबुद्ध जन समझेंगे और इसमें समाज को एक मंच पर लाने में सहयोग प्रदान करेंगे। बस इतना ही कहते हुए मैं अपनी बात को समाप्त करता हूं...धन्यवाद

**तम्बोली रमेश लक्खुलाल चौरसिया**

राष्ट्रीय अध्यक्ष, अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली

सकल तंबोली समाज सादर वंदें,

सकल तंबोली समाज वर्तमान में कई उप जातियों में(चौरसिया, कुमरावत, बारी, बरई, यदुवंशी, नागवंशी,) विभक्त है। इन सभी उप जातियों की मूल जाति तंबोली होने के पश्चात भी हम अनेक उप जातियों में विभक्त हैं और एकता नहीं होने के कारण तथा एकजुटता नहीं होने के कारण संपूर्ण तंबोली समाज शिक्षा के क्षेत्र में, राजनीति के क्षेत्र, में व्यापार के क्षेत्र में, प्रदेश तथा राष्ट्रीय स्तर पर तंबोली समाज की जनसंख्या पूरे भारत देश में यदि जनगणना की जाए तो लाखों की संख्या में होने के पश्चात भी तंबोली समाज अपनी पहचान नहीं बना पाया है। उसके पीछे का एकमात्र कारण तंबोली समाज मैं एकता अभाव है। और इसी एकता के अभाव में संपूर्ण भारत देश में लाखों की संख्या में तंबोली समाज होने के पश्चात भी हमारी कोई पहचान नहीं है। इसी कारण तंबोली समाज के युवा भी राजनीतिक तथा शिक्षा के क्षेत्र में बहुत पिछडा हुआ क्यों है। क्या कारण है की आज हमारे देश की कुछ अन्य समाज है जिनकी जनसंख्या कुछ एक हजारों में होने के पश्चात भी वह प्रदेश अथवा देश की राजनीति में सक्रिय होकर अहम पदों पर बैठकर महत्वपूर्ण निर्णय ले रहे हैं। परंतु तंबोली समाज आज भी अपनी पहचान बनाने के लिए अपनी मूल जाति तंबोली को छोड़कर हम उप जातियों के बल पर (कुमरावत, चौरसिया, बारी, बरई, यदुवंशी) अपनी पहचान बनाने का प्रयास जीवन भर करते रहेंगे। अभी भी समय रहते हुए हम नहीं जागे तो आने वाले समय में हमारी मूल जाति तंबोली का अस्तित्व बचा पाना भविष्य में मुश्किल हो जाएगा। और इसलिए सकल तंबोली समाज पिछले कई वर्षों से तंबोली समाज के छोटे छोटे घटको को एक सूत्र में बांधने का कार्य कर रहा हैं। जिसके परिणाम स्वरूप आज तंबोली समाज के उपघटक चौरसिया, कुमरावत, बारी, बरई, यदुवंशी के मध्य रिश्तेदारी होकर युवक-युवतियों के विवाह होने लगेंगे। तथा सभी एक दूसरे के सामाजिक कार्यक्रमों में आने-जाने लगे हैं। तथा साथ ही कुछ संगठनों ने सकल तंबोली समाज के नाम से संगठन तैयार कर कुमरावत, चौरसिया, बारी, बरई, यदुवंशी समाज के समाज बंधुओं को प्रतिष्ठित पदभार प्रधान कर सम्मान दिया। और यदि तंबोली समाज के प्रत्येक समाज बंधु अपने नाम के साथ उपजाति (कुमरावत, चौरसिया, बारी, बरई, यदुवंशी) लगाते हैं। उसके साथ अपनी मूल जाति तंबोली का उपयोग करें। जिसके कारण धीरे-धीरे देश अथवा प्रदेश में तंबोली समाज की एकजुटता दिखाई देने लगेगी। जिसका प्रतिफल हमें धीरे-धीरे राजनीति के क्षेत्र में और व्यापार अथवा शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव आने लगेगा। इसलिए सभी घटकों से अनुरोध है कि अपने नाम के साथ तंबोली शब्द का उपयोग करें तथा ज्यादा से ज्यादा लोगों को तंबोली लगाने के लिए प्रेरित करें। और साथ ही यदि तंबोली समाज के लोग व्यापार के क्षेत्र में एक दूसरे के मध्य एक चेन बनाकर व्यापार करने का प्रयास करें। तो समाज की आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे सुधार होने लगेगा हम सभी ज्यादा से ज्यादा यह प्रयास करें की हमें कोई भी वस्तु अपने घर के लिए अपने व्यापार के लिए अपने परिवार के लिए बाजार से खरीदना है और यदि वहां वस्तु हमारे समाज के व्यापारी भाई के पास है तो हम कोशिश करें कि वस्तु बाजार में अन्य किसी व्यापारी से खरीदने के बजाय हम अपने तंबोली समाज के व्यक्ति/व्यापारी से खरीदें। इसका फायदा यह होगा की समाज में व्यापार को बढ़ावा मिलेगा तथा तथा समाज का पैसा समाज के पास पहुंचेगा । इसी तरह धीरे धीरे छोटे-छोटे समाज के व्यापारियों की आर्थिक स्थिति में भी निश्चित ही सुधार होगा परंतु यह तब जब संभव होगा की हम अपने नाम के साथ तंबोली शब्द का उपयोग करें। जिसके कारण तंबोली समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने समाज के व्यक्ति को आसानी से पहचान सकेगा। इसी के साथ तंबोली समाज मैं एक बहुत बड़ी और गंभीर समस्या है। कि समाज के युवक-युवतियों के विवाह समय नहीं होने का क्या कारण है । हमारे समाज में सत प्रतिशत युवक युवती 29 से 30 वर्ष के हो जाते है। फिर भी रिश्ते के लिए समाज में भटकते रहते है।और अंत में यदि कोई रिश्ता नहीं मिलता है ।तो समाज को छोड़कर अन्य समाज में रिश्ता करने को तैयार हो जाते है ।क्या आपने कभी सोचा है कि आज हमारे समाज में युवक युवती के समाज में रिश्ते समय पर क्यों नहीं होते है। क्यों विवाह की उम्र निकल जाने के बाद तक विवाह संबंध नहीं हो पाता है । इस के पीछे कुछ कड़वी सच्चाई है कि समाज में एकता का अभाव है । और समाज में रूडी है। कि यदि कुमरावत परिवार की लड़की है, तो उसके लिए कुमरावत लड़का होना चाहिए । और चौरसिया समाज का लड़का है तो उसके लिए चौरसिया लड़की होना चाहिए। इसी वजह से अपनी उपजाति के कारण समाज विवाह योग्य युवक युवती को लेकर काफी चिंतित रहता हैं।और इस तरह विवाह योग्य युवक युवतीयो की उम्र निकल जाती हैं ।और माता पिता अपनी उपजाति में युवक-युवतियों का संबंध करने के लिए परेशान होते रहते हैं। और यदि हम चाहते हैं कि इस समस्या का निराकरण हो जाए तो इसके लिए तंबोली समाज के सभी घटक( कुमरावत चौरसिया बारी बरई यदुवंशी) को एक ही सूत्र में बांधना होगा। और यह तब और जब संभव होगा जब सकल तंबोली समाज के सभी घटक एक होकर एक दूसरे के मध्य अपने विचारों का आदान प्रदान करें। तथा एक दूसरे के विचारों को समझें और अमल में लाने का प्रयास करेंगे । तो निश्चित ही सकल तंबोली समाज को एक नई दिशा मिलेगी। धन्यवाद

**वीरेन्द्र पटेल**

कार्यवाहक अध्यक्ष, सूर्यवंशी कुमरावत तम्बोली समाज

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली

मो.न.: 9926477643

आदरणीय समाज बंधु,

सकल तंबोली समाज एक विशाल समुद्र है। इस समुद्र में तंबोली समाज के छोटे-छोटे घटक नदियों के रूप में यदि समाहित हो जाते हैं। तो सकल तंबोली समाज के इस महा संगठन को कोई भी अन्य समाज चाहे वह राजनीतिक स्तर पर हो या फिर शैक्षणिक स्तर तंबोली समाज को तोड़कर लाभ नहीं ले सकेगा । अभी इस कोरोना के चलते भारत देश आर्थिक स्तर पर बहुत ही पिछड़ गया है। और स्वाभाविक है कि इस महामारी के चलते इसका असर देश की जनता पर भी कहीं ना कहीं किसी न किसी रूप में पिछड़ेपन को दर्शाता है और इसी कोरोना के चलते मैंने अपने क्षेत्र में, समाज में अपने स्तर से जनसेवा करने का एक छोटा सा प्रयास किया और उसी दौरान मुझे यह देखने का भी मौका आया कि तंबोली समाज के कई परिवार जो कि रोज कमा कर रोज खाते हैं ऐसे कुछ लोगों से मेरी भेंट हुई उनसे मिलने के पश्चात मुझे यह ज्ञात हुआ और मैंने यह संकल्प लिया कि मैं भविष्य में यदि मुझे ईश्वर की कृपा से राजनीतिक स्तर पर कभी मौका मिलता है तो मैं निश्चय ही अपने तंबोली समाज के लिए कुछ ना कुछ रोजगार और उनके लिए भारत सरकार कि कई योजनाओं का अपने स्तर से लाभ दिलवाने का प्रयास करूंगा। साथ ही मैंने एक और संकल्प लिया की भारत देश में तमोली समाज की जनगणना करवा करके तंबोली समाज की वास्तविक जनसंख्या को समाज के समक्ष पटल पर रखूंगा जिसका फायदा संपूर्ण तंबोली समाज को राजनीतिक स्तर पर मिल सके। और तंबोली समाज मैं वह समाज जन जो बहुत ही गरीब एवं लाचार होकर अपने तथा अपने बच्चों का भविष्य उनकी पढ़ाई लिखाई से वंचित है उन्हें अच्छे स्कूल और शिक्षा दीक्षा की सुविधा दिलाने का प्रयास करूंगा सकल तंबोली समाज यदि आज अपने समस्त घटकों को एक मंच पर एकत्रित करता है तो समाज के इस महासागर को लांघना किसी राजनीतिक पार्टी को आसान नहीं होगा इसीलिए मेरा आप सभी तंबोली समाज के घटको से अनुरोध है की आपसी मतभेद से ऊपर उठकर समाज की एकता अखंडता में सहयोग प्रदान कर सकल तंबोली समाज को शक्ति प्रदान करें धन्यवाद।

**गौरव (विक्की) चौरसिया**

म.प्र. अध्यक्ष

अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली

आदरणीय समाज बंधु,

मैं अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली का छोटा सा कार्यकर्ता हूँ, किस प्रकार संस्था आगे बडी है, मैं बखूबी जानता हूँ जहां सागर इस संस्था की कर्मभूमि रही है मैं वो दिन याद करता हूँ कि जब 25 से 30 व्यक्ति सागर में साधारण सभा में उपस्थित होते थे और वह दिन भी देखें है चाहे मुम्बई, देवास, खंडवा, लखनऊ की साधारण सभा हो। इसका श्रेय हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष को देना चाहता हूँ वह व्यक्ति जहां कहीं बैठ जाते हैं, तथा नि:संकोच समाज के लोगों के बीच उठना बैठना, समाज के लोगों के दुख दर्द को अपना दुख समझ दर्द समझ कर बांटने की कला को मैं हृदय से धन्यवाद देता हूँ, इसी कड़ी में आगे मैं चाहुंगा की राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सकल तम्बोली समाज के समस्त घटकों से समाज सेवियों को उठाकर, समाज की एकता की जिम्मेदारियां दी है वह भी राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदय जैसा आचरण करें और समाज के लोगों को आदेश, धौंस डपट न देते हुए। उनसे प्यार मोहब्बत से कार्य करें जिस प्रकार राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदय को सकल तम्बोली समाज के लोग आदर सत्कार सम्मान देते हैं। वह आदर आपको भी मिल सकता है। परन्तु उसके लिए संस्था के नियम अनुसार चले, अपना खुद का एजेंडा संस्था पर लागू नहीं करें। संस्था के नियम अनुसार जो चलेगा वह अपने आप समाज से सम्मान प्राप्त करने का हकदार होगा। पुरानी कहावत है कि मान, सम्मान और इज्जत मांगने से नहीं मिलती है। इज्जत और सम्मान पाने के लिए समाज के लोगों के दिलों में जगह बनाना पडती है और उसके लिए समाज सेवा का जज्बा दिल में होना जरुरी है। समाज के कुछ पदाधिकारी भारत सरकार की योजनाओं को सामाजिक स्तर पर फेरबदल करके समाज के समक्ष प्रस्तुत कर रहे हैं, मैं ऐसे महानुभावों को सावधान करना चाहता हूं कि वे इस तरह से शासकीय योजनाओं को फेर बदल करके संस्था के नाम से समाज के समक्ष प्रस्तुत नहीं करें। उनके निजी स्वार्थ और संकीर्ण मानसिकता के कारण संस्था बदनाम होने का डर है और मैं ये भी नहीं चाहता हूँ कि समाज में सकल तम्बोली समाज के अतिरिक्त समाज के छोटे छोटे घटक दल अपने अपने वैचारिक मतभेदों को लेकर समाज में भ्रांतियां फैलाऐ और सकल तम्बोली समाज से जुड़े लोगों के मन में यह डर पैदा नहीं करें कि वे तम्बोली समाज से हटकर चौरसिया समाज में सम्मिलित हो जाएंगे। आप सभी से मेरा यही निवेदन है... धन्यवाद

**सुमन चौरसिया 'तम्बोली'**

वरिष्ठ समाजसेवी एवं ताम्बुल मिलन पत्रिका संपादक

## कोरोना लाकडाउन के बाद महासभा की भूमिका

देश में लाकडाउन के कहर थमने के बाद जो क्षति तम्बोली समाज के लोगों के साथ हुई है, उसे कम समय में कैसे पूरी की जा सकती है। इस संबंध में कार्य योजना बनाकर अपने तम्बोली समाज बन्धुओं की सहायता करने हेतु जन जागरण अभियान चलाया जाऐगा, जिस पीडित की सहायता हो सके। जो काम लाकडाउन में बंद पडे है उन्हें पुन: प्रारंभ कराया जाएगा। महासभा के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य जिससे जो मदद हो सके। वह तत्परता से मदद करेगा एवं अपने तम्बोली समाज के बन्धुओं को सामान्य अवस्था में लाया जावेगा।

**सीताराम लम्बरदार**
राष्ट्रीय सचिव, अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली

आदरणीय समाज बन्धुओं,

सकल तंबोली समाज के सभी समाज बंधुओं को मेरा सादर नमन मुझे आज यह बात कहते हुए बहुत हर्ष हो रहा है की राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदय श्री रमेश लघु लाल जी चौरसिया के सपने को धीरे धीरे मूर्त रूप मिल रहा है और तंबोली समाज के छोटे-छोटे घटक आज एक सूत्र में बंधकर एक विशाल समाज को संगठित करने का सफल प्रयास कर रहे हैं और सफलता की नीव रखने वाले वरिष्ठ समाजसेवी श्री सुमन चौरसिया जी ने भी सकल तंबोली समाज के लिए बहुत ही सराहनीय प्रयास किए हैं उन्होंने तो विगत पांच छे वर्षों में सकल तंबोली समाज के लिए समाज के सामूहिक सम्मेलन इंदौर महू भोपाल देवास बालगढ़ आदि क्षेत्रों में करते हुए ।समाज के कई गरीब परिवार को मुख्यमंत्री कन्यादान योजना का लाभ भी दिलवाया है मैं धन्यवाद देना चाहता हूं। तथा साधुवाद देना चाहता हूं। समाज के ऐसे समाजसेवियों को जो निस्वार्थ समाज सेवा कर रहे हैं।

**ऋषि चौरसिया**
उत्तर प्रदेश अध्यक्ष
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली

आदरणीय समाज बन्धुओं,

अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमेश लक्खुलालजी का सपना है कि तंबोली समाज के समस्त घटक एक साथ मिलकर एकजुट होकर एक मंच पर खड़े हो। वर्तमान में तंबोली समाज छोटे-छोटे घटकों में बटा हुआ होने से केंद्रीय सरकार तथा राज्य सरकार की बहुत सी सामाजिक योजनाओं का लाभ राजनीतिक स्तर सामाजिक स्तर एवं आर्थिक स्तर पर नहीं ले पा रहा है। क्योंकि वर्तमान परिस्थिति मैं तंबोली समाज की राजनीतिक संगठन के रूप में कोई पहचान केंद्रीय स्तर पर नहीं है। और इस कारण से तंबोली समाज के समाज बंधु भारत सरकार कि कई योजनाओं से भी वंचित हैं। यदि हम सभी संगठित हो जाएं तो निश्चित ही तंबोली समाज का धीरे-धीरे राजनीतिक शैक्षणिक और आर्थिक स्तर में सुधार होगा हमारी आने वाली पीढ़ियां भी और अधिक सुदृढ होगी। मेरा समाज के सभी छोटे-छोटे घटकों से आग्रह है। कि हम सभी अपने विचारों को एक नई पहचान देने के लिए संगठित होने का प्रयास करें। और हमारे गुरुजन ने भी हमें बचपन में यह पाठ सिखाया की संगठन में शक्ति होती है। और संगठित समाज हमेशा उन्नति की ओर अग्रसर होता है। तो क्यों ना हम सभी तंबोली समाज को एक सूत्र में बांधकर एकजुटता का परिचय देवे। राजनीतिक स्तर पर हमारे तंबोली समाज के भाई बहन सक्रिय भूमिका रखते हैं परंतु उन्हें समाज की सहायता एवं मदद की अपेक्षा होती है और समय पर हमारा समाज संगठित नहीं होने के कारण उनकी मदद नहीं कर पाता है। तंबोली समाज में संगठन नहीं होने से अन्य समाज हमारे समाज के लोगों को साथ लेकर राजनीतिक स्तर पर हमारा उपयोग करके बड़े-बड़े पदों पर पहुंच जाते हैं। हमारा समाज अभी भी पिछड़ा हुआ है इसके लिए समाज का एक होना अति आवश्यक है और इसीलिए सकल तम्बोली समाज की स्थापना माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा की गई है धन्यवाद.....

**अनुराधा चौरसिया**
महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष महिला
अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली

सकल तम्बोली समाज के आदरणीय श्री रमेश लक्खुलाल जी चौरसिया और उनकी टीम को सकल तम्बोली समाज के संगठन के लिए धन्यवाद... और मुझे यह विश्वास है कि सकल तम्बोली समाज से जुड़े समस्त घटकों को एक नई दिशा मिलेगी क्योंकि अब इस कोरोना काल में सभी को एकजुट होकर परस्पर एक दूसरे का सहयोग आवश्यक है हमारी मूल जाति तम्बोली है और तम्बोली के समस्त घटक चौरसिया, बारी, बरई, कुमरावत, यदुवंशी तम्बोली अंग है और भविष्य में हमें समाज की बातों को छोड़ कर हमारी मूल जाति तम्बोली समाज की धरोहर को बचाने के लिए संगठित होना अति आवश्यक है और सकल तम्बोली समाज इसी दिशा में कार्य करते रहे इसी आशा के साथ मैं उन्हें सकल तम्बोली समाज की टीम को धन्यवाद देना चाहता हूँ।

**रमेश चौरसिया**
राष्ट्रीय महामंत्री
अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली

आदरणीय,

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमेश लक्खुलाल जी चौरसिया अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली ने अपनी कार्यकारिणी में तम्बोली समाज के समस्त घटकों को सम्मानजनक स्थान प्रदान कर सकल तम्बोली समाज की नींव बडी मजबूती के साथ तम्बोली समाज के बिखरे हुए घटकों के समक्ष रखी है। सकल तम्बोली समाज के एकीकरण का कार्य हम सबकों मिल जुलकर अपने-अपने सामर्थ्य एवं विचारों के मध्य मतभेदों को समाप्त कर एकता के सूत्र में बाधंना होगा। और मुझे आशा है कि अतिशीघ्र सकल तम्बोली समाज के युवा इसे पूरा करने में सहयोग प्रदान करेंगे।

**गंगासागर चौरसिया**
राष्ट्रीय महामंत्री
अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली

आदरणीय समाज को नमस्कार, मैं सकल तंबोली समाज के जनक श्री रमेश लक्खुलाल जी चौरसिया राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली का आभार व्यक्त करना चाहता हूं। कि उन्होंने दूरदर्शिता को समझते हुए तथा समाज की एकता को बनाए रखने और एकजुटता का संदेश पूरे भारतवर्ष में लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से सकल तंबोली समाज की स्थापना की है। उसके कारण आज तंबोली समाज के समस्त घटक एक दूसरे को जानने पहचानने लगे हैं और एक दूसरे के पारिवारिक कार्यक्रमों में आने जाने लगे हैं। तथा पारिवारिक रिश्तेदारी भी बढ़ने लगी है सगाई संबंध और रिश्तेदारी में भी बहुत हद तक इजाफा हुआ है। इस नेक कार्य के लिए आदरणीय श्री सुमन चौरसिया जी का भी तांबूल मिलन पत्रिका प्रकाशन से तंबोली समाज के समस्त घटकों के एकीकरण में सहयोग मिला है । धन्यवाद...

**हर गोविन्द चौरसिया**
कोषाध्यक्ष, अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली

समाज एक ऐसा समूह है जो कि सभी वर्ग के लोगों को साथ लेकर उन्हें प्रगति की राह दिखाता है इसमें राजनीति का प्रवेश दुखदायी सावित हो जाता है। तमोली विकास संस्था के पदाधिकारियों द्वारा पिछले बर्षोसे समाज के छात्र छात्राओं के उज्जवल भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक अभियान शुरू किया है। इसमें छात्र छात्राओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के साथ उन्हें अनुभवों के आधार पर कैरियर का मार्गदर्शन दिया जा रहा है। इसके लिए तमोली विकास संस्था के गांव से लेकर शहरों के सभी पदाधिकारी बहुत ही सराहनीय कार्य कर रहे है। प्रतिभाओं को तराशने के लिए उन्हें प्रोत्साहित कर रहे है। इसके लिए विशेष रूप से संस्था के श्री शंकर बावू, विजयसिंह जी, सुभाषजी के नेतृत्व में टीम अच्छा काम कर रही है। आज सोशल मीडिया के माध्यम से संस्था के सभी पदाधिकारियों का आभार एवं समाज के जागरूक लोगों से आग्रह है कि संस्था के इस अभियान में सहयोग कर भागीदारी करें एवं संस्था के सदस्यों का मनोबल बढाए। एक दिन इसके सकारात्मक परिणाम अवश्य मिलेंगे।

**विजयसिंह यदुवंशी**
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली

आदरणीय,

सकल तम्बोली समाज में आज भी कई रूढियां विद्यमान हैं मैं सकल तम्बोली समाज के समस्त घटकों से आग्रह करता हूं कि राजस्थान में मृत्युभोज को पूर्ण रूप से सामाजिक स्तर पर प्रतिबंधित किया गया है। कई बार अन्य राज्यों से विशेषरूप से म.प्र. में मृत्युभोज को लेकर सामाजिक स्तर पर वादविवाद की स्थिति निर्मित होती रही है। जिसके लिए कई बार कुमरावत समाज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने भी संयुक्त रूप से सामाजिक अपील कर मृत्युभोज को बंद करने का आव्हान किया है। परन्तु अभी मृत्युभोज पर विचार विमर्श होना प्रस्तावित है। ऐसी स्थिति में मैं पुन: म.प्र. की राष्ट्रीय पदाधिकारी गण एवं उनकी टीम से यह कहना चाहता हुँ कि वे भी अपने स्तर पर प्रतिबंध लगावे।

**कैलाश तम्बोली**
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली
मांडलगढ, राज.- मो. 9414677069

हमारा समाज राजनीतिक दृष्टी से बहुत पिछड़ा हुआ है, हमारी मानसिकता का लाभ राष्ट्रीय राजनीतिक दल फायदा उठाते हैं। और समाज को इस पिछडेपन के कारण राजनीतिक सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक लाभ नहीं मिलता है। इसके पीछे मूल कारण तम्बोली समाज में एकता का अभाव है और इसी कमी के कारण तम्बोली समाज वर्तमान में भी बहुत पिछड़ा हुआ है और भविष्य में यदि तम्बोली समाज को राजनीतिक स्तर पर अपनी पहचान बनाना है तो तम्बोली समाज के समस्त घटकों को एक मंच पर एकत्रित होकर राजनीतिक पार्टियों के समक्ष ताकत दिखाना होगी। इसके लिए समस्त घटकों का एकीकरण आवश्यक है।

**ब्रह्मदत्त चौहान**
राष्ट्रीय प्रचारमंत्री
अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली

सकल तम्बोली समाज ने ओंकारेश्वर में धर्मशाला का निर्माण करने के लिए जो संकल्प लिया है, वह सराहनीय है सकल तम्बोली समाज की ओंकारेश्वर तीर्थ स्थल पर धर्मशाला का निर्माण होने के पश्चात समस्त तम्बोली समाज के घटकों को सुविधा का लाभ मिलेगा। सकल तम्बोली समाज की धर्मशाला बनाने का संकल्प आदरणीय स्व. श्री कपूरचंद जी कुमरावत खंडवा ने लिया था, कि धर्मशाला का निर्माण कर समाज के लोगों को सुविधा का लाभ मिले। उनके संकल्प को पूरा करने के लिए उनके पुत्र ने बीड़ा उठाया है जो अतिशिघ्र पूर्ण होगा, उनके इस सामाजिक कार्य के लिए धन्यवाद...

**नन्दकिशोर कुमरावत**
प्रदेश उपाध्यक्ष, सिमरोल
अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली

आदरणीय,

तम्बोली समाज के सभी घटक का एकीकरण संगठन आज के समय मे अतिआवश्यक है। जो समाज मे जीतना संगठित होगा वह समाज ऊन्नति ओर समाज की समस्याओँ का निराकरण करने मे सक्षम होगा इतिहास इस बात का गवाह है ।

आज हमारे समाज को लाकडाऊन मे पान कृषक एवं व्यसायीयो को अत्यधिक नुकसान हुआ है। शासकीय अनुदान या सहयोग नही मिला संगठन के अभाव में। समाज को संगठन, शिक्षा एवं आर्थिक ऊन्नति के लिए मार्गदर्शन का अभाव है । यदि अपने अपने क्षेत्र मै सफल व्यक्ति समाज को अपने अनुभव मार्ग दर्शन प्रदान करे तो समाज की भविष्य ओर भावी पीडी ऊन्नत ओर संगठीत हो सकती है। समाज के सभी बन्धुओं से मेरा निवेदन है कि समाज मै संगठन, शिक्षा एवं ऊन्नति के लिए अपना जो भी सहयोग हो योगदान करें ।

**रूपनारायण मोदी तम्बोली**

प्रदेश उपाध्यक्ष, अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली
मन्दसौर (म. प्र.) मो.: 9425977647

आदरणीय,

तम्बोली समाज के विभिन्न घटक सम्पूर्ण देशभर में है जो कि स्थानीय समाज की जरूरते एवं परिस्थितियों के अनुकूल कार्य करते रहे है स्थानीय भाव से बाहर कार्य नही करने से तथा स्थानीय स्तर तक ही सीमित रहने से देश में समाज ख्याति विहिन रहा है, अब आवश्यकता है कि तम्बोली समाज के सभी घटकों में आपसी समन्वय एवं मजबूत संगठन शक्ति के भाव को जागृत करना होगा।

इसके लिए एक समाज – एक संगठन ध्येय वाक्य बनाकर राष्ट्रीय नीति की आवश्यकता है।

**हरीश बारी**

विधिक सलाहकार, अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली
मोबाइल 9826388172, 9424455642

सकल तम्बोली समाज का वर्चस्व आज पूरे भारत वर्ष में फैल चुका है। सकल तम्बोली समाज के द्वारा विगत कई वषौ से तम्बोली समाज की एक जुटता के लिए सामूहिक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। और साथ ही समाज के गरीब और निर्धन परिवार की बेटियों को मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अन्तर्गत योजनाओं का लाभ पहुंचाते रहे हैं। सकल तम्बोली समाज वर्तमान में समाज को संगठित करने की दिशा में सफलता प्राप्त कर चुकी है और इस सफलता का श्रेय सकल तम्बोली समाज के संस्थापक आदरणीय श्री रमेश लक्खुलाल जी चौरसिया और उनके साथीगण को जाता है जिन्होंने सकल तम्बोली समाज के समस्त घटकों को एक कर एकता और अंखडता का परिचय दिया है।

**श्रीमती कीर्ति मोदी**

राष्ट्रीय महामंत्री, महिला प्रकोष्ट
अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली

सकल तम्बोली समाज संस्था से मैं विगत 20 वर्षों से जुड़ा हूँ और समाज सेवा करता रहा हूँ, मैंने अपने निजी जीवन में इस बात को महसूस किया है कि समाज की शक्ति को यदि किसी राजनीतिक पार्टी के समक्ष प्रस्तुत करना है तो सर्वप्रथम समाज में एकता का होना अति आवश्यक है। और सकल तम्बोली समाज एक ऐसी ही संस्था है जिसने पिछले 20 वर्षों में तम्बोली समाज के सभी घटक को एक छत के नीचे लाकर खड़ा कर दिया है। और उसके परिणाम समाज के समक्ष दिखाई देने लगे है। चौरसिया, कुमरावत, बारी, बरई, यदुवंशी, तम्बोली आपस में युवक युवतीयों के वैवाहिक संबंध कर के आपसी रिश्तेदारी में परिवर्तित हो गए हैं। यदि संकल तम्बोली समाज में सभी समाज बन्धु कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करे तो निश्चित ही राजनीतिक स्तर पर समाज का परचम अतिशीघ्र लहराएगा।

**सुरेश सूर्यवंशी**
राष्ट्रीय प्रचारमंत्री, सिवनी मालवा
अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली

हम सब तम्बोली समाज के घटकों को एक जूट होकर तम्बोली समाज की पहचान को प्रदेश स्तर से उठाकर अखिल भारतीय स्तर तक पहुंचाने के लिए सर्वप्रथम एक जुट होकर हमारी एकता, अखण्डता तथा संस्कृति का परिचय देना होगा तथा राजनैतिक स्तर पर भी हमारा तम्बोली समाज बहुत पिछड़ा हुआ है और इस पिछड़ेपन का मुख्य कारण हमारे तम्बोली समाज आज भी अलग अलग घटक में बटकर रह गया है। इसी कारण से तम्बोली समाज राजनीतिक, शैक्षणिक, आर्थिक स्तर पर काफी पिछडा हुआ है। इसलिए हम सभी तम्बोली समाज के घटको को (चौरसिया, कुमरावत, बारी, बरई, यदुवंशी तम्बोली) को एक होकर आगे बढना होगा।

**अजय चौरसिया**
प्रदेश उपाध्यक्ष, ग्वालियर
अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली

आदरणीय,

आदरणीय समाज को नमस्कार, मैं सकल तंबोली समाज के जनक श्री रमेश लक्खुलाल जी चौरसिया राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली का आभार व्यक्त करना चाहता हूं। कि उन्होंने दूरदर्शिता को समझते हुए तथा समाज की एकता को बनाए रखने और एकजुटता का संदेश पूरे भारतवर्ष में लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से सकल तंबोली समाज की स्थापना की है। उसके कारण आज तंबोली समाज के समस्त घटक एक दूसरे को जानने पहचानने लगे हैं और एक दूसरे के पारिवारिक कार्यक्रमों में आने जाने लगे हैं। तथा पारिवारिक रिश्तेदारी भी बढ़ने लगी है सगाई संबंध और रिश्तेदारी में भी बहुत हद तक इजाफा हुआ है। इस नेक कार्य के लिए आदरणीय श्री सुमन चौरसिया जी का भी तांबूल मिलन पत्रिका प्रकाशन से तंबोली समाज के समस्त घटकों के एकीकरण में सहयोग मिला है । धन्यवाद...

**राधेश्याम चौरसिया**
राष्ट्रीय संगठन मंत्री, झालरापाटन
अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली

सकल तंबोली समाज को सादर वन्दे,
आदरणीय आप सभी सकल तमोली समाज के समाज बंधुओं को यह बताने में मुझे बहुत हर्ष हो रहा है की सकल तंबोली समाज की छोटी-छोटी शाखाएं मिलकर एक विशाल वटवृक्ष में तब्दील हो गई है। और तंबोली समाज मैं इसका एक ताजा उदाहरण आप देख सकते हैं कि अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने अपने मंत्रिमंडल एवं कार्यकारिणी उनमें तंबोली समाज के समस्त घटकों को पदाधिकारी नियुक्त किए हैं और समस्त तंबोली समाज के उप घटक अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली के साथ कंधे से कंधा मिलाकर समाज के एकीकरण में तन मन धन से सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

**कैलाश मान्दलिया**
राष्ट्रीय प्रचारमंत्री, भानपुरा
अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली

अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली की कोर कमेटी के द्वारा मुझे सकल तम्बोली समाज के एकीकरण की जो जिम्मेदारी दी गई है। उस जिम्मेदारी को पूरा करने के लिए मैं नि:स्वार्थ एवं निष्ठापूर्वक समाज का एकीकरण करने के लिए तत्पर हुँ और सकल तम्बोली समाज के सभी घटकों से मेरा आग्रह है कि अखिल भा. आदर्श चौरसिया महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमेश लक्खुलाल चौरसिया के सपनों को साकार करने को मुझे जो अवसर प्राप्त हुआ है। उसे पूरा करने के लिए मैं वचन बद्ध हुँ।

**संतोष कपूरचंद कुमरावत**
अध्यक्ष, संयुक्त तम्बोल समाज न्यास
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली

सकल तम्बोली समाज का एक ऐसा मंच है उक्त मंच पर तम्बोली समाज के समस्त घटक आपस में एक दूसरे का सहयोग कर समाज को संगठित करने की दिशा में तन मन धन से सहयोग प्रदान कर रहे हैं। समाज की एकता को बनाए रखने के लिए समाज का मंच होना आवश्यक है और सकल तम्बोली समाज समस्त घटकों को एकता के मंव पर एकत्रित करने में सफल हुआ है। सकल तम्बोली समाज में जुड़े समाज के पदाधिकारी गण और समाज के वरिष्ठ जन जो सकल तम्बोली समाज की एकता के मंच पर कई वर्षों से कार्यरत है वे समाज की नींव है और यदि समाज की नींव सकल तम्बोली समाज की आधारशिला पर टिकी है तो तम्बोली समाज के सभी घटकों को एक साथ संगठित होने में किसी प्रकार की कोई आपत्ति नहीं होना चाहिए। सकल तम्बोली समाज को हृदय से सधन्यवाद देता हूं।

**बन्टी कुमरावत**
प्रदेश संगठन मंत्री, बेटमा
अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली

सकल तम्बोली समाज सादर वन्दे,

सकल तम्बोली समाज द्वारा समाज के एकीकरण के लिए प्रत्येक वर्ष परिचय सम्मेलन एवं सामुहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जाता है। उक्त आयोजन से तम्बोली समाज के विवाह योग्य युवक युवती को समाज के एक मंच पर एकत्रित होने का अवसर मिलता है। और इसी कार्यक्रम के मध्य सकल तम्बोली समाज के उपघटक, चौरसिया, बारी, बरई, कुमरावत, यदुवंशी को एक दूसरे से मिलने और परिचय का अवसर मिलता है। यदि समाज में इसी तरह से प्रतिवर्ष सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन यदि होता रहे तो निश्चित ही समाज की एकता और सुदृढ होगी और समस्त घटकों के मध्य वैचारिक मतभेद समाप्त होंगे और समाज में एकता की उर्जा का संचार होगा।

**रविंद्र किसन धामणे (बारी)**
18, बारी मथुराकिसन नगर, रिक्रियेशन गार्डन के पीछे,
शिरपुर जि.धुले 425405 (महाराष्ट्र)
मो. 9422788690, 8888240690
Email: rkdhamane@gmail.com, baridarpan@gmail.com

सकल तम्बोली समाज सादर नमन,

सर्वप्रथम मैं सकल तम्बोली समाज के पितामत आदरणीय श्री रमेश लक्खुलाल जी चौरसिया और श्री सुमन चौरसिया जी को साधुवाद देना चाहता हूं और मुझे यह विश्वास है कि सकल तम्बोली समाज के संगठन के पश्चात समस्त घटक के लोगों के मध्य विवाह योग्य युवक युवतीयों के संबंधों की समस्या का निराकरण हुआ है। सकल तम्बोली समाज के पूर्व प्रत्येक तम्बोली समाज के घटकों में विवाह योग्य युवक युवतीयों के संबंधों को लेकर एक सीमित दायरा हुआ करता था परन्तु सकल तम्बोली समाज के पश्चात अब हमारे पास अपने विवाह योग्य युवक युवतीयों के लिए विस्तृत क्षेत्रफल होने के साथ सभी घटक आपस में मिलजूल कर कार्यक्रमों का आयोजन करने लगे है, और एक दूसरे के कार्यक्रम में शामिल होने लगे है।

**केदार महोबिया**
राष्ट्रीय संगठन मंत्री, कोटा राज.
अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली

सकल तम्मोली समाज सादर नमन,

सकल तम्बोली समाज के द्वारा निमाड क्षेत्र में समाज के एकीकरण को लेकर बहुत अच्छा प्रयास किया जा रहा है। तथा आगामी आने वाले दिसम्बर जनवरी माह में सकल तम्बोली समाज की महापंचायत के गठन हेतू एक भव्य आयोजन किया जाना तय हुआ है। इस सकल तम्बोली समाज महापंचायत का गठन करने का एक मात्र उद्देश्य समाज के समस्त घटकों के विचार विमर्श को पटल पर रखकर सर्वसहमति से चौरसिया, कुमरावत, बारी, बरई, यदूवंशी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और निमाड के कुमरावत समाज अध्यक्षों, सचिव अन्य वरिष्ठ, कनिष्ठ समाजसेवियों की सहमति से निर्णय लेकर सकल तम्बोली समाज की महापंचायत का शीघ्र गठन किया जाएगा।

**भोलाराम कुमरावत**
प्रदेश उपाध्यक्ष, टांडाबरूड
अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली

**स्व–अस्तित्व बोध करने के लिए सजातिय समाज का एकजुट अनिवार्य**

सकल तंबोली समाज के सभी पदाधिकारी गण एवं सदस्यगण और समाज जन को बहुत–बहुत बधाई कि उन्होंने तंबोली समाज को संगठित करने मैं जो योगदान प्रदान किया है और मुझे पूर्ण विश्वास है कि आगे भी इसी तरह सकल तंबोली समाज को सहयोग प्रदान करते रहेंगे साथ ही में सकल तंबोली समाज के अन्य घटक दल से भी निवेदन करना चाहता हूं कि वह भी सकल तंबोली समाज के कार्यों में तन मन धन से सहयोग प्रदान करें और इसी सहयोग की आशा के साथ सकल तमोली समाज को धन्यवाद।

**शिवकुमार चौरसिया 'चमन'**
राष्ट्रीय प्रचारमंत्री, अ. भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली

आदरणीय,

सकल तंबोली समाज की स्थापना से तंबोली समाज के समस्त घटक को को अनगिनत लाभ मिले हैं और आगे भी इसी तरह राजनीतिक , शैक्षणिक और सामाजिक लाभ मिलते रहेंगे सामाजिक स्तर पर आज समाज में विवाह योग्य नवयुवक युवतियों के वैवाहिक संबंधों में चौरसिया कुमरावत बारी बरेली यदुवंशी के मध्य स्थापित होने लगे हैं और समाज के मध्य वैवाहिक संबंध होने के साथ–साथ समस्त तंबोली समाज की घटक सामाजिक स्तर के कार्यक्रमों में भाग लेने लगे हैं और भी धीरे–धीरे शकल तमोली समाज संगठित होगा तो इसका लाभ समाज के लोगों को अवश्य ही प्राप्त होगा धन्यवाद

**अर्जुन प्रसाद चौरसिया**
राष्ट्रीय प्रचारमंत्री, अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली

आदरणीय,

सकल तंबोली समाज की स्थापना से तंबोली समाज के समस्त घटक को को अनगिनत लाभ मिले हैं और आगे भी इसी तरह राजनीतिक , शैक्षणिक और सामाजिक लाभ मिलते रहेंगे सामाजिक स्तर पर आज समाज में विवाह योग्य नवयुवक युवतियों के वैवाहिक संबंधों में चौरसिया कुमरावत बारी बरेली यदुवंशी के मध्य स्थापित होने लगे हैं और समाज के मध्य वैवाहिक संबंध होने के साथ–साथ समस्त तंबोली समाज की घटक सामाजिक स्तर के कार्यक्रमों में भाग लेने लगे हैं और भी धीरे–धीरे शकल तमोली समाज संगठित होगा तो इसका लाभ समाज के लोगों को अवश्य ही प्राप्त होगा धन्यवाद

**भोला प्रसाद चौरसिया**
उत्तर प्रदेश महामंत्री
अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली

हमारे तंबोली समाज में सकल तंबोली समाज की स्थापना के पूर्व एक बहुत बड़ी समस्या हुआ करती थी और यह समस्या तंबोली समाज के समस्त घटक अपने अपने स्तर पर जूझ रहे थे क्योंकि समाज में जन्म लेने वाला व्यक्ति अपने परिवार के बच्चों के वैवाहिक संबंधों को लेकर बहुत परेशान होता है और फिर पुरानी रूढ़ियां की माने तो चाह कर भी समाज अन्य घटक दल बेटे बेटियों का विवाह संबंध नहीं कर सकता था उसके पीछे एक मात्र कारण की तंबोली समाज के सभी घटक की एकता का अभाव और इसी कारण चौरसिया समाज अपने बच्चों का संबंध चौरसिया समाज में करता है इसी प्रकार कुमरावत समाज अपने बच्चों का संबंध कुमावत समाज में करना चाहता है लेकिन अब धीरे-धीरे शक्ल तंबोली समाज की स्थापना के पश्चात समाज के लोगों की मानसिकता में बहुत परिवर्तन आ गया है समाज में समस्त घटक दल एक दूसरे के मध्य वैवाहिक संबंधों का अनुपात विगत 5 सालों में बहुत अधिक बढ़ गया है और धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है इसके लिए शक्ल तमोली समाज को मैं बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं।

**कृष्णगोपाल तम्बोली**
राष्ट्रीय प्रचारमंत्री, भीलवाडा, राज.
अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली

आदरणीय,

चौरसिया तंबोली बरई समाज द्वारा नाग पंचमी 25 जुलाई को मनाई जायगी कोराना संकमण के कारण धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों में सरकार द्वारा सुरक्षा कारणों से प्रतिबंध लगाया हुआ है इस कारण सभी भाईयों बहनों से आह्वान करता हूँ कि 25 जुलाई को घर घर नागपंचमी उत्सव मनाऐ यह प्रण ले कि अपने समाज कि प्रगति के लिए एकजुट होकर आपस में मतभेद भुलाकर कार्य करने की शपथ ले क्योंकि हमारा समाज अभी भी बहुत पिछड़ा है इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि हम लोगों में एकता का भाव नहीं है समाज को आगे कैसे लाये? किसी भी समाज, कुल या परिवार के विकास के लिये शिक्षा का अहम योगदान है हमें अपने समाज के भविष्य ये युवा पीढ़ी को शिक्षित करने में कोई भी कसर नहिं छोडना चाहिए शिक्षा का स्तर उठाने पर हि समाज का स्तर बढेंगा इससे हर एक स्तर पर विकास होगा तो समाज व सब से महत्वपूर्ण देश का विकास होगा

प्रातः स्नान करने से पहले पूरे घर की साफ-सफाई करें और फिर घर के मंदिर के पास लकड़ी का तख्त रखकर उस पर नया वस्त्र बिछाकर नाम देवता की मुर्ति बनाकर स्थापित करें फुल माला प्रसाद चढांये और खीर चढांये

जय नागपंचमी का जयघोष करें।

**कमलेश चौरसिया**
महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष, मुम्बई
अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली

## शिक्षा और जागरुकता ही समाज के विकास की धूरी है

समाज के विकास की धूरी शिक्षा और जागरुकता है, शिक्षा समाज के विकास का अहम पहलू है। इसलिए समाज के बच्चों पर ध्यान देना चाहिए। समाज का जागरुक होना आवश्यक है। समय-समय पर शासन की योजनाओं की जानकारी देना। जिनका सामाजिक महत्व नहीं रहा उन प्रथाओं को बन्द कर देना चाहिए जैसे विवाह के समय पेरावनी प्रथा, मृत्यु भोज भी आवश्यकरूप से बन्द होना चाहिए।

**श्रीमती क्षमा कुमरावत**
राष्ट्रीय प्रचारमंत्री
अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली

आदरणीय,

सकल तमोली समाज के वरिष्ठ जनों को सादर नमन मुझे शकल तंबोली समाज के इस सामाजिक संगठन के साथ समाज सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ है। मैं बहुत हर्ष के साथ सकल तंबोली समाज के लोगों को यह संदेश देना चाहती हूं कि संगठन में शक्ति है और संगठित समाज को प्रतिदिन एक नई चुनौती और अवसर मिलता है और तंबोली समाज भी शीघ्र ही भारत सरकार की योजनाओं का लाभ एकता के आधार पर ही प्राप्त कर सकता है यदि सकल तंबोली समाज ने एकता की यह मुहिम छेड़ी है तो मैं आप लोगों को यह आश्वस्त करता हूं कि भविष्य में सकल तंबोली समाज एक ऐसा विशाल संगठन होगा। और राजनीतिक स्तर पर अपनी स्वयं की छवि को बनाने में सफल होगा धन्यवाद...

**श्रीमती डाली चौरसिया**
म.प्र. कार्यकारी अध्यक्ष
अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली

सकल तम्बोली समाज के संस्थापक आदरणीय श्री रमेश लक्खुलाल चौरसिया राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली और ताम्बुल मिलन के सम्पादक श्री सुमन चौरसिया इन्दौर को में साधुवाद देना चाहती हूं, उन्होंने विगत वर्ष भोपाल में संयुक्त तम्बोली समाज का सामूहिक सम्मेलन तथा पत्रिका का विमोचन किया था जिसके अन्तर्गत 1200 प्रविष्ठियां सकल तम्बोली समाज के विवाह योग्य युवक युवतीयों की थी। सकल तम्बोली समाज द्वारा मध्यप्रदेश, राजस्थान एवं अन्य राज्यों में भी समाज को संगठित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है और सकल तम्बोली समाज एक वट वृक्ष के रूप में अपनी शाखाएं फैला रहा है।

**श्रीमती निधी चौरसिया**
पूर्व राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष
अ.भा. आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली

# अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली के द्वारा कोरोना काल में किए गए समाजसेवा की झलकियां

निर्भय दूत
मुंबई, सोमवार, 4 मई 2020

## समाज का कोई व्यक्ति भूखा न रहे, यही लक्ष्य - रमेश लखूलाल चौरसिया

### अनुराधा चौरसिया के नेतृत्व में जनसेवा में जुटी है नारी शक्ति

कुमार राजेश



**मुंबई।** वैश्विक महामारी को नियंत्रित करने के लिए पिछले डेढ़ महीने से समूचे देश में जारी लाकडाउन से प्रभावित जरूरतमंद परिवारों की हरसंभव मदद में अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा, दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश लखूलाल चौरसिया के नेतृत्व तथा मार्गदर्शन में पूरे देश में संस्था के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता जुटे हुए हैं। रमेश चौरसिया का कहना है कि हमारा बस एक ही प्रयास है कि कोरोना संकट के इस दौर में समाज का कोई भी व्यक्ति भूखा न रहने पाए। इसके लिए हमने अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा, दिल्ली की ओर से देशव्यापी मुहिम चला रखी है, और उन्होंने देश के विभिन्न क्षेत्रों में अपने प्रतिनिधि बनाए हुए हैं, जो पूरा जी-जान लगाकर लोगों की सेवा कर रहे हैं। चौरसिया समाज के ऐसे ही दो उभरते चेहरे महाराष्ट्र के मुंबई शहर में नजर आए हैं, जो बिना किसी स्वार्थ के लोगों की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मुंबई के रहने वाली अनुराधा चौरसिया और नीलेश चौरसिया समाज के जरूरतमंदों तक राशन, रुपए, दवाइयां, मेडिकल सुविधाएं दिलवाना तथा उन परिवारों से बात कर उनके सुख-दुख को सुनना, लाकडाउन में फंसे सैकड़ों लोगों की मदद करना यही उनका कार्य है। समाजसेविका अनुराधा चौरसिया ने बताया कि नीलेशजी समाज सेवा में इस तरह रम गए हैं कि परिवार को समय भी नहीं दे पाते। उन्होंने बताया कि ऐसे युवाओं की हमारे समाज को जरूरत है। इंदौर के सुमन चौरसिया जी ने बताया कि आदर्श चौरसिया महासभा, दिल्ली की ओर से देश के कोने-कोने में सहायता सामग्री पहुंचाई जा रही है। अनुराधा चौरसिया के विषय में उनसे पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यदि किसी समाज को शिखर पर पहुंचना है, तो इनके जैसे कार्यकर्ताओं की बदौलत ही पहुंच सकता है।

निर्भय दूत
16.03.2020

## केरोना वॉयरस के विरुद्ध चौरसिया महासभा का जागरूकता अभियान



**मुंबई।** अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा ( दिल्ली ) के तत्वाधान में रविवार को सुतार गली, ठाकुरद्वार, मुंबई में जागरूकता अभियान चलाया गया। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश लखूलाल चौरसिया के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में लोगों के बीच ढाई हजार मॉस्क का मुफ्त वितरण किया गया। इस अवसर पर महासभा की पदाधिकारी तथा समाजसेविका अनुराधा चौरसिया, रमा रानी चौरसिया, छाया चौरसिया, राकेश गणेशलाल चौरसिया, महेंद्र चौरसिया, शिल्पा निलेश चौरसिया, निलेश चौरसिया, राजेंद्र चौरसिया, दिलीप महावीर चौरसिया, सुमन चौरसिया समेत भारी तादाद में संस्था के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम की संयोजिका अनुराधा चौरसिया ने अपने संबोधन में कहा कि सभी को धूप का सेवन करना चाहिए। रमा रानी चौरसिया ने लोगों से भीड़भाड़ के स्थानों, सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूर रहने तथा एक-दूसरे से मिलने के दौरान हाथ मिलाने, गले मिलने से बचने और उनसे हाथ जोड़कर नमस्कार करने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन लक्ष्मी नारायण चौरसिया तथा आभार सुमन चौरसिया ने व्यक्त किया।

निर्भय दूत
मुंबई, सोमवार, 27 अप्रैल 2020

## कोरोना आपदा में जरूरतमंदों की मदद में जुटा अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा



पाक्षिक
निर्भय दूत
दिनांक : शनिवार 14 मार्च 2020 RNI : MAH/HIN/1999/42

## कोरोना वॉयरस से बचाव के लिए लोगों को मुफ्त मास्क वितरण

### आदर्श चौरसिया महासभा (दिल्ली) की अनूठी पहल



**मुंबई।** समूचे विश्व में महामारी का रूप धारण कर चुके कोरोना वॉयरस से लोगो भय का माहौल व्याप्त है। मुंबई में भी कोरोना वॉयरस संक्रमित होने से लोगो में घबराहट व्याप्त है। दस से बीस रुपये में बिकने वाले मॉस्क की भी जमकर कालाबाजारी हो रही है।

महाराष्ट्र सरकार ने लोगो की मजबूरी का फायदा उठाने वाले मॉस्क के कालाबाजारियो के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है, बावजूद इसके इन कृत्यो पर रोक नही लग पा रही है। लोगो की परेशानियो को देखते हुए तथा कोरोना वॉयरस के संक्रमण से बचाव के लिए अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा ( दिल्ली) की पदाधिकारी तथा समाजसेविका अनुराधा चौरसिया, कांग्रेस के ब्लाक अध्यक्ष राजेंद्र चौरसिया, महामंत्री लक्ष्मी नारायण चौरसिया, युवा नेता निलेश चौरसिया के प्रयासों से रविवार 15 मार्च को दोपहर 12 बजे से पहली सुतार गली, ठाकुरद्वार, मुंबई में लोगो को मुफ्त मॉस्क का वितरण करने के साथ ही इस महामारी से बचाव के लिए जागरूकता संदेश दिया जाएगा।

सुमन चौरसिया ने उक्त जानकारी देते हुए लोगो से अधिकाधिक इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की है।



**सातवें दिन...** आज अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा (म.प्र.)के प्रदेशाध्यक्ष व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विक्की भैया के द्वारा घुरपुरा व देवधरा में जरूरत मन्दो को भोजन एवं पहुँचाया गया।

## कोरोना आपदा में ग़रीबो की मदद के लिए मैदान में उतरे रमेश लख्खूलाल चौरसिया

### मुंबई निवासी है चौरसिया समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश लख्खूलाल चौरसिया



अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश लखूलाल चौरसिया ने इस लाकडाउन में भी राष्ट्र के सभी व्यक्तियों से सघन चर्चा में है। आप एक उद्देश्य होकर चल रहे है कि तम्बोली समाज की सभी उप घटकों को एक मंच पर लाना इसके लिए बारी समाज, यदुवंशी तम्बोली समाज, कुमरावत समाज, चौरसिया समाज, इस सब की जाति तम्बोली है। इसी तारतम्य में आप बारी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास बोडके पूर्व मंत्री महाराष्ट्र शासन चन्द्रकान्त ताजले, हरि बारी, श्याम बारी, यदुवंशी तम्बोली समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिश्रीलाल रावत जयपुर, बाबल झिरीवाल अलवर, रामलाल जी मथुरा, केदार महोबिया कोटा, विजयसिंह रावतभाटा, कुमरावत समाज खण्डवा कैलाश तम्बोली मण्डल महू कैलाश मदलिया भानपुरा, सुरेश सूर्यवंशी सिवनी मालवा, गोपाल मोदी ओलबाडा, बहमदत चौहान मंडलेश्वर, सदाशिव डोंगरे आलद, महादेव कुमरावत टाडाबरूण, लोकेश मोदी कुकडेश्वर अनील मोदी देवास से चर्चा कर रहे हैं। नंदकिशोर कुमरावत सिमरोल मंगला ताई बारी जलगांव।

# सकल तम्बोली समाज के द्वारा समाज में पान व्यापारी, पान किसान एवं पान गुमटी के लिए समाज द्वारा किए जा रहे प्रयास

हिन्दी दैनिक **दि ग्राम टुडे** — अपना प्रदेश

## बदहाली के दौर से गुजर रहे हैं पान व्यवसाई-- रमेश चौरसिया



---

**निर्भय दूत**
मुंबई, गुरुवार, 14 मई 2020

## कहीं ये काफिले परिवर्तन के तो नहीं - सुमन चौरसिया

कुमार राजेश



---

**निर्भय दूत**
मुंबई, रविवार, 24 मई 2020

## सड़क मार्ग से अपने गांवों की ओर लौट रहे प्रवासी मजदूरों की सेवा में जुटा चौरसिया समाज

कुमार राजेश

सागर / मुंबई। कोरोना लॉकडाउन के चलते समूचे देश से मजदूरों का अपने गृह राज्यों की ओर वापस लौट रहे है। लाखों मजदूर पैदल, आटोरिक्शा, ट्रकों, टैंपुओं आदि में भर-भर कर पलायन को विवश हैं, हालांकि रेलवे मंत्रालय की ओर से इन मजदूरों को गांव भेजने के लिए श्रमिक स्पेशल ट्रेनें भी संचालित की जा रही है। अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश लक्खूलाल चौरसिया के नेतृत्व तथा मार्गदर्शन में समूचे देश में संस्था के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता कोरोना लॉकडाउन से प्रभावित जरूरतमंदों की मदद में जुटे हुए है। जनसेवा के इसी मिशन के तहत चौरसिया समाज, सागर, मध्यप्रदेश के पदाधिकारियों द्वारा मुंबई से कौशांबी जा रहे चौरसिया समाज के लगभग 50 प्रवासी यात्रियों को लेहदरा नाका, सागर पर भोजन के पैकेट बांटने का पुण्य कार्य किया गया। समाज के पूर्व जिलाध्यक्ष लोकेश चौरसिया की ओर से 4 किलो नमकीन एवं 2-2 लीटर पानी की 8 बिसलरी बोतलें दी गईं। इस सेवा कार्य में समर्पित समाजसेवी श्रीराम पहलवान अध्यक्ष सागर सम्मेलन, सीताराम पचकोड़ी पार्षद पुर्विंयाऊ वार्ड, लोकेश चौरसिया एवं नीरज चौरसिया की त्वरित उपस्थिति एवं सहयोग महत्वपूर्ण रहा। इस बाबत जानेमाने समाजसेवी अर्जुन चौरसिया (मुंबई) एवं सुमन चौरसिया (इंदौर) से प्राप्त सूचना के उपरांत अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आर.के.चौरसिया एवं प्रदेश अध्यक्ष गौरव 'विक्की' चौरसिया से हुई चर्चा इस सेवा कार्य हेतु महत्वपूर्ण कारक बनी। समाजसेवी सुमन चौरसिया ने बताया कि कठिन परिस्थितियों में 8 ऑटोरिक्शा से जा रहे समाज के इन यात्रियों ने रात्रि विश्राम बंडा में पेट्रोल पंप पर किया। सभी से हम संपर्क में बने हुए है। चौरसिया समाज छतरपुर के समाज के जागरूक समाजसेवियों ने इन ऑटोरिक्शा के आगे की भोजन आदि व्यवस्था की। यह जानकारी सागर के इंजीनियर हरगोविंद चौरसिया तथा इंदौर के समाजसेवी सुमन चौरसिया ने दी है।

---

**निर्भय दूत**
मुंबई, सोमवार 15 जून 2020

## अनलॉक वन 1 में पान व्यवसाय को अविलंब शुरू करने की अनुमति दे सरकार - रमेश चौरसिया

» राज्य सरकारों की लचर नीतियों से बदहाली के संकट से जूझ रहे पान व्यवसायी

» प्रधानमंत्री से लगाई व्यवसाय शुरू करने की अनुमति देने तथा नुकसान की भरपाई की गुहार



कुमार राजेश

मुंबई। अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश लक्खूलाल चौरसिया ने कोविड 19 के चलते पिछले 24 मार्च से लगातार संपूर्ण भारत देश में लॉकडाउन के ऐतिहासिक निर्णय के कारण इस महामारी, आपदा से संपूर्ण देश को काफी हद तक सुरक्षित रखने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया है। उन्होंने इस दौरान तंबोली समाज के प्रमुख पेशे पान व्यवसाय की बदहाली की ओर भी प्रधानमंत्री का ध्यान आकृष्ट कराया है। रमेश लक्खूलाल चौरसिया ने कहा है कि अनलॉक वन 1 जून से लागू हो गया है, पर कई राज्यों की सरकार ने पान के व्यवसाय पर अभी भी प्रतिबंध लगा रखा है। जिसके कारण पान उत्पादक, पान विक्रेता व पान व्यवसायियों के सामने जीविकोपार्जन की बड़ी समस्या उत्पन्न हो गई है। उन्होंने कहा कि 3 महीने के लॉकडाउन के कारण इन सभी छोटे-छोटे व्यापारियों की आर्थिक स्थिति बेहद नाजुक दौर में पहुंच गई है।

इस व्यवसाय से संबंधित लोग भुखमरी की कगार पर पहुंच चुके है। संपूर्ण भारत देश में पान किसान, पान व्यापारी मुख्य रूप से तंबोली समाज की उपजातिया जैसे चौरसिया, कुमरावत, बारी, बराई, यदुवंशी, नागवंशी, कुल 5 करोड़ लोग कच्चे पान, पान की दुकान, पान का ठेला, पान बरेजा, पान की गुमटी से जुड़े होकर कई पीढ़ियों से अपना तथा अपने परिवार का जीवन निर्वाह कर रहे हैं। इनके पास इसके अतिरिक्त अन्य कोई आय का साधन नहीं है। विगत 3 माह से संपूर्ण भारत देश में लॉकडाउन होने के कारण कच्चे पान, बरेजों में ही सड़ कर खराब हो गए है। पान की फसल पूर्ण रूप से नष्ट हो गई है। रमेश चौरसिया ने कहा कि भारत सरकार ने 1 जून से देश में अन्य आवश्यक वस्तुओं की दुकान को खोलने की अनुमति दी है, परंतु पान दुकान, पान गुमटी तथा कच्चे पान के व्यापारियों को उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र एवं अन्य कुछ राज्यों में अनुमति प्रदान नहीं की गई है। जिसके कारण कच्चे पान के व्यवसाय से जुड़े तंबोली समाज के लोगों की आर्थिक स्थिति दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पान की दुकान, पान की गुमटी तथा पान व्यापारियों को व्यवसाय की अनुमति नहीं देकर तंबोली समाज ,के साथ भेदभाव किया जा रहा है। चौरसिया ने कहा कि आयुर्वेद में पान एक औषधि के रूप में भी उपयोग में लिया जाता है। पान का व्यवसाय कच्चा व्यवसाय होने से उसे किसी भी प्रकार से स्टोर नहीं किया जा सकता। इसके संबंध में उत्तर प्रदेश सरकार को कई बार तंबोली समाज के द्वारा, संबंधित जिलाधीशों के माध्यम से पूरे प्रदेश में ज्ञापन सौंपा गया, और ज्ञापन के माध्यम से बार-बार अवगत कराया गया कि पान के किसान, पान व्यापारी, पान की दुकान, पान की गुमटी, की आर्थिक स्थिति को देखते हुए तुरंत पान के व्यवसाय को सुचारू रूप से चालू करने की अनुमति प्रदान की जाय, तथा विगत 3 माह से पान के व्यवसाय बंद होने के कारण जो पान सड़ गए हैं, इसे देखते हुए पान किसान को हुए आर्थिक नुकसान का मुआवजा शीघ्र प्रदान किया जाए। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश लक्खूलाल चौरसिया ने कहा कि इन सब के बावजूद उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आज तक इस संबंध में किसी भी प्रकार का कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है, और न ही इस पर ध्यान दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से गुहार लगाते हुए रमेश चौरसिया ने कहा कि तंबोली समाज के लोगों की समस्याओं को सरकार समझे व यथा-योग्य मुआवजा, तथा व्यवसाय को पुनः शीघ्र ही चालू करने की अनुमति प्रदान करे, ताकि पान व्यवसाय को पुनः पटरी पर लाने के साथ ही इस व्यवसाय से जुड़े लाखों परिवारों को भुखमरी के संकट से उबरने में मदद मिल सके।

---

**निर्भय दूत**
मुंबई, गुरुवार, 18 जुलाई 2020

## पान व्यवसायियों की समस्याओं को दूर करने के करेंगे प्रयास - अमीन पटेल

### विधायक से मिला व्यवसायियों का प्रतिनिधिमंडल

कुमार राजेश



मुंबई। पिछले चार महीने से जारी कोरोना लॉकडाउन के चलते मुंबई समेत समूचे देश में पान का व्यवसाय पूरी तरह से ठप्प पड़ा हुआ है। इस तालेबंदी से न सिर्फ पान के किसानों की तैयार पान के सड़ने, खराब होने से तथा इससे जुड़े व्यवसायियों को करोड़ों रुपयों का नुकसान हुआ है, बल्कि इससे जुड़े लाखों तंबोली परिवार भुखमरी के संकट से भी जूझ रहे हैं। अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा, दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश लक्खूलाल चौरसिया के मार्गदर्शन में पान व्यवसायियों ने मुंबादेवी के वरिष्ठ कांग्रेसी विधायक अमीन पटेल से मुलाकात कर पान की टपरी लगाने वाले दुकानदारों की समस्याओं समेत लॉकडाउन के दौरान पान कारोबार पर आए संकट से अवगत कराया। अमीन पटेल ने पान व्यवसायियों के प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया है कि वे मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मुलाकात कर उनको समस्याओं से अवगत कराने, इस मुद्दे पर ठोस कदम उठाने तथा तब तक पान के पार्सल को घरों में डिलीवरी की अनुमति दिलाने का पूरा प्रयास करेंगे। अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा के महिला प्रकोष्ठ की महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्षा अनुराधा चौरसिया के नेतृत्व में विधायक अमीन पटेल से मिले प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष राजेंद्र श्रीपत चौरसिया, संस्था के महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष निलेश गयाप्रसाद चौरसिया, कमलेश हरस्वरूप चौरसिया, महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष, राजेश बैजनाथ चौरसिया का समावेश था। यह जानकारी समाजसेवी सुमन चौरसिया ने दी है।

---

**दैनिक भास्कर** करौली 10-07-2020

करौली-हिंडौन भास्कर

## मासलपुर में तमोली विकास संस्था जयपुर ने कक्षा 6 से 12 में अध्यनरत 150 छात्र छात्राओं को वितरण कराई स्टेशनरी



शिविर • 187 प्रवासी एवं उनके परिजनों की कराई स्क्रीनिंग, सुरक्षा के उपायों के बारे में जानकारी दी

# ओंकारेश्वर तीर्थ स्थल में अतिशीघ्र होगा महा पंचायत का आव्हान

भारत सरकार मान्यताप्राप्त वृत्तपत्र
MAHMAR/2015/64709
साप्ताहिक
## बारी दर्पण
मुख्य संपादक : श्री. रविंद किसन धामणे (बारी)

दिनांक :

## कोरोना के बाद सकल तांबोली समाज की ओम्कारेश्वर में महापंचायत की तयारी ..
### आपसी एकजुटता से ही समाज का चहुंमुखी विकास संभव – रमेश लक्खूलाल चौरसिया



श्री रमेश लक्खू चौरसिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष

[illegible]

---

## निर्भय दूत
मुंबई, सोमवार, 27 अप्रेल 2020

**तंबोली समाज को एक मंच पर लाने के लिए महापंचायत का होगा आयोजन**

## आपसी एकजुटता से ही समाज का चहुंमुखी विकास संभव - रमेश लक्खूलाल चौरसिया

कुमार राजेश

मुंबई। समूचे देश में विविध उपघटकों में बसे तंबोली समाज के समग्र विकास के लिए एकजुटता की कवायद शुरू हो गई है। अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा, दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश लक्खूलाल चौरसिया के नेतृत्व में समग्र तंबोली समाज को एकजुट करने के लिए इस लाकडाऊन के दौरान भी इस मुहिम को आगे बढ़ाने की कवायद जोरशोर से शुरू है। समग्र तंबोली समाज में सामंजस्य बिठाने और उन्हें एक मंच पर लाने की अहम जिम्मेदारी अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा के मध्य प्रदेश के अध्यक्ष विक्की चौरसिया तथा समाजसेवी सुमन चौरसिया को सौंपी गई है। निर्भय दूत से बातचीत के दौरान महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश लक्खूलाल चौरसिया ने कहा कि तंबोली समाज की विविध उप जातियां (घटक) हैं, जिनमें चौरसिया, बारी, कुमरावत, यदुवंशी तंबोली आदि का समावेश है, जिनकी मूल जाति तंबोली ही है। इन सभी उप घटकों की तादाद पूरे देश में करोड़ों में है, जिनके उत्थान के लिए तमाम संस्थाएं सक्रिय हैं, जिनके प्रयास सराहनीय हैं। इतना कुछ होने के बावजूद तंबोली समाज को जो अहमियत सामाजिक, राजनीतिक, व्यापारिक तथा अन्य क्षेत्रों में मिलनी चाहिए, वह अभी तक मिल नहीं पाई है। इसके पीछे कहीं न कहीं हममें आपसी एकजुटता का अभाव



रहा है। रमेश चौरसिया ने आगे कहा कि वर्तमान दौर में सबसे बड़ी समस्या शादी-विवाह की है। तंबोली समाज भी अन्य समाज के अनुरूप अपनी उपजातियों में शादी-विवाह कर सके, उचित योग्य वर-वधु ढूंढने की समस्या कम हो, एक-दूसरे के सहयोग से व्यापार तथा नौकरी के क्षेत्र में हमारी युवापीढ़ी कामयाबी हासिल करे, राजनीतिक दल हमारी ताकत को देखते हुए चुनावों में तथा संगठन में यथोचित प्रतिनिधित्व दें, ऐसे तमाम पहलू हैं, जिनके लिए हमने तंबोली समाज को एकजुट करने की मुहिम शुरू की है। उन्होंने बताया कि समाज की एकजुटता के लिए हमने सकल तंबोली समाज की महापंचायत शीघ्र ही आयोजित करने का निर्णय लिया है, जिसके लिए बारी समाज जो महाराष्ट्र में है, उनके संगठनों के अध्यक्षों से सतत चर्चा कर रहे हैं।इसी प्रकार यदुवंशी तंबोली समाज, जो मध्य प्रदेश, राजस्थान में है, कुमरावत तंबोली समाज जो गुजरात, मध्य प्रदेश और राजस्थान में है, उनके अध्यक्षों से भी वे सतत चर्चा कर महापंचायत को अंतिम रूप देने की कोशिश में जुटे हुए है। महापंचायत की तैयारियां की जिम्मेदारी संभाल रहे मध्यप्रदेश के अध्यक्ष विक्की चौरसिया तथा समाजसेवी सुमन चौरसिया ने बताया कि अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा, दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश लक्खूलाल चौरसिया ने तंबोली समाज की एकजुटता के लिए बारी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री रामदास बोडके, चंद्रकांत ताजने, हरीश बारी, श्याम बारी, यदुवंशी तंबोली समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिश्रीलाल रावत, जयपुर, कमल झिरीवाल, अलवर, रामलाल जी, मथुरा, केदार महोबिया, कोटा, विजय सिंह रावत, भाटा, कुमरावत समाज के कार्यवाहक अध्यक्ष वीरेंद्र पटेल, इंदौर, संतोष कुमरावत, खंडवा, कैलाश तंबोली, माडलगढ़, कैलाश मदलिया, भानपुरा, सुरेश सूर्यवंशी, गोपाल मोदी, भीलवाड़ा, बहादुर चौहान, मंडलेश्वर, सदाशिव ढोंगरे, आणंद, महादेव कुमरावत, टाखवण्या, लोकेश मोदी, कुकडेश्वर, अनिल मोदी, देवदरा, नंदकिशोर कुमरावत, सिमरोल, मंगलाताई बारी, जलगांव समेत समूचे देश के तंबोली समाज के तमाम गणमान्यों से चर्चा की है, जिसमें सभी ने अपनी सहमति जताई है।

---

## निर्भय दूत
मुंबई, सोमवार, 18 मई 2020

**कोरोना का कहर : पान के किसानों तथा व्यवसायियों को लगी करोड़ों की चपत**

## पान के व्यवसाय को उबारने तथा पुनः पटरी पर लाने के लिए 500 करोड़ का पैकेज दे केंद्र सरकार - रमेश लक्खूलाल चौरसिया

कुमार राजेश

मुंबई। कोरोना वायरस के प्रादुर्भाव को नियंत्रित करने के लिए समूचे देश में पिछले दो महीने से जारी लॉकडाउन के चलते पान के किसान, थोक एवं फुटकर पान व्यापारी, पान की गुमटी चलाने वालों का कारोबार - रोजगार पूरी तरह से ठप पड़ गया है। अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा, दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश लक्खूलाल चौरसिया ने बताया कि 23 मार्च को कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए अचानक पूरे देश में लॉकडाउन लागू होने से पान के किसानों, थोक एवं फुटकर विक्रेताओं तथा पान की गुमटी चलाने वालों के पास रखा हुआ करोड़ों रुपये का पान सड़ गया। उन्होंने बताया कि मार्च के महीने में पान की बुआई के बाद अप्रैल से पान की फसल को तोड़कर वर्ष भर बेची जाती है। जिससे नए पान बरेजा में फसल तैयार करने में लगने वाली खाद खली अन्य सामग्री प्लास्टिक कैन के जरिए लोग अपने परिवार का जीविकोपार्जन करते है। ऐसे में किसानों ने अपनी आँखों के सामने लगा हुआ पान खराब होते हुए देखा है। रमेश चौरसिया ने कहा कि महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश समेत तमाम राज्य सरकारों ने फुटकर पान बिक्री की भी अनुमति लॉकडाउन के दौरान नहीं दी, जबकि उत्तर प्रदेश तथा बिहार में पान की बिक्री को लॉकडाउन से मुक्त रखा गया है। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल में महाराष्ट्रियों द्वारा पान मंडियों में तो आ रहा है, लेकिन मध्यप्रदेश सरकार इसे बेचने की अनुमति नहीं दे रही है। वहीं दूसरी ओर तमाम प्रदेशों में लॉकडाउन के दौरान 10 रुपए कीमत वाला गुटखा ब्लैक में 50 रुपए तक चोरी-छिपे बेचा जा रहा है, जिससे पान का कोई लेना नहीं होता है। उन्होंने कहा कि पान मसाला में से पान शब्द को अलग किया जाना चाहिए। रमेश लक्खूलाल चौरसिया ने बताया कि मेंढ़ी का पान और नया पान निकलना प्रारंभ हो गया है, जिसे लॉकडाउन की पाबंदियों के चलते किसान फेंकने को विवश है। उन्होंने सभी राज्य सरकारों से पान के किसानों को नुकसान से बचाने के लिए पान की मंडियों, दरीबा तथा पान की दुकानों को खोलने की छूट दिए जाने की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने गुटखा तथा तंबाकू, जिसे थूकने से तमाम बीमारियां





फैलती है, उसे प्रतिबंधित किए जाने की भी मांग की है। साथ ही उन्होंने कहा कि पान खाकर उसे थूकने की आवश्यकता नहीं होती, इसके बावजूद यदि कोई थूके, तो गुटखा, तंबाकू की भांति दोषियों पर एक हजार रुपए जुर्माना लगाने की मांग की है, ताकि लोगों में भय बने और वे नियमों का उल्लंघन करने से बचें। रमेश लक्खूलाल चौरसिया ने पान की खेती और व्यवसाय से जुड़े लोगों और उन पर आश्रित परिवारों को भुखमरी से बचाने के लिए पान की दुकान और व्यवसाय को लॉकडाउन की पाबंदियों से छूट देने की गुहार लगाते हुए कोरोना के कहर के चलते करोड़ों रुपयों का नुकसान झेल रहे पान की खेती और व्यवसाय करने वालों को 500 करोड़ रुपये का आर्थिक पैकेज मुहैया कराने की मांग की है, ताकि वे अपने व्यवसाय को दोबारा पटरी पर लाने में सक्षम हो सकें। मध्यप्रदेश के वरिष्ठ समाजसेवी तथा अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा के मीडिया प्रभारी सुमन चौरसिया ने कहा कि मध्यप्रदेश के बाजारों में आने-जाने वालों को पीने का पानी तक नहीं मिल पा रहा है। इसलिए, दो महीने से बंद पड़ी पान की दुकानों को भी खोलने की छूट दी जाए जिससे लॉकडाउन में आने-जाने वाले लोगों को पीने के पानी की सुविधा मिल सके तथा पान की दुकान चलाने वाले लाखों लोगों को रोजगार भी मिल सके, और वे तथा उनका परिवार भुखमरी से बच सकें। सुमन चौरसिया ने केंद्र तथा मध्यप्रदेश सरकार से इन सभी को छह महीने तक निःशुल्क राशन दिए जाने और राज्य के पान के किसान और व्यापारियों की समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग भी की है।

---

## निर्भय दूत
मुंबई, शनिवार, 27 जून 2020

## कोरोना के बाद सकल तंबोली समाज की महापंचायत की तैयारी

**आपसी एकजुटता से ही समाज का चहुंमुखी विकास संभव - रमेश चौरसिया**

कुमार राजेश



[illegible]

निर्भय दूत

मुंबई, मंगलवार, 26 मई 2020

# चौरसिया समाज एवं बारी समाज की बैठक संपन्न

**कुमार राजेश**

**मुंबई।** तंबोली समाज के सभी जातकों को एकजुट करने की दिशा में कदम तेजी से बढ़ने शुरू हो गए हैं।इसकी पहल अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा, दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश लक्खूलाल चौरसिया एवं बारी समाज के मुंबई मंडल के अध्यक्ष अशोक अस्वार ने की है। इस संबंध में मुंबई में आयोजित बैठक में दोनों ही पक्षों के तमाम गणमान्य उपस्थित थे, जिन्होंने इस संबंध तथा समाज में व्याप्त समस्याओं के निराकरण के लिए अपने-अपने सुझाव दिए।राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश लक्खूलाल चौरसिया ने उनसें चर्चा की एवं अपने उद्देश्य स्पष्ट करते हुए कहा कि तंबोली समाज के सभी घटकों को एक मंच पर लाना ही हमारा लक्ष्य है, ताकि समग्र तंबोली समाज का चहुंमुखी विकास हो सके। इस दौरान समाज के आर्थिक, शैक्षणिक, सामाजिक मुद्दों पर भी चर्चा हुई और समस्त बारी समाज मंडल, मुंबई ने रमेश लक्खूलाल चौरसिया को आश्वस्त किया कि वे उनके साथ है। अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा के मीडिया प्रभारी तथा समाजसेवी सुमन चौरसिया ने बताया कि आगामी मीटिंग में जलगांव, नंदूरबार, पुणे, भुसावल, औरंगाबाद आदि के विकास मंडल अध्यक्षो से चर्चा होनी है। इस मीटिंग मे मुंबई चौरसिया बरई समाज के प्रतिष्ठित गणमान्य मौजूद थे। इसमें राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा, प्रदेश अध्यक्षा महिला, राष्ट्रीय महामंत्री, बरई समाज की अध्यक्ष भी उपस्थित रहीं।

## नर सेवा–नारायण सेवा

आज चौरसिया समाज सागर के एक प्रतिनिधि मंडल द्वारा मुंबई से कौशांबी जा रहे सकल तम्बोली समाज के लगभग 50 प्रवासी यात्रियों को लेहदरा नाका सागर पर भोजन के पैकेट बांटने का पुण्य कार्य किया गया।समाज के पूर्व जिलाध्यक्ष लोकेश चौरसियाजी की ओर से 4 किलो नमकीन एवं 2–2लीटर पानी की 8 बिसलरी बोतल दी गईं। इस सेवा कार्य में समर्पित समाजसेवी श्रीराम पहलवानजी अध्यक्ष सागर सम्मेलन, सीताराम पचकोड़ीजी पार्षद पुर्वियाऊ वार्ड, लोकेश चौरसियाजी एवं नीरज चौरसियाजी की त्वरित उपस्थिति एवं सहयोग महत्वपूर्ण रहा। इस बाबत जाने–माने समाजसेवी श्री अर्जुन चौरसिया मुंबई एवं श्री सुमन चौरसिया इंदौर से प्राप्त सूचना के उपरांत अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री आर.के. चौरसियाजी एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री गौरव विक्की चौरसियाजी से हुई चर्चा इस सेवा कार्य हेतु महत्वपूर्ण कारक बनी। कठिन परिस्थितियों में 8ऑटो से जा रहे समाज के यह यात्री रात्रि विश्राम बंडा में पेट्रोल पंप पर कर रहे हैं। हम उनसे संपर्क में हैं। चौरसिया समाज छतरपुर के जागरूक समाजसेवियों से मेरा विनम्र आग्रह है कि कल इन यात्रियों के भोजन आदि की व्यवस्था करेंगे। इस दल के प्रमुख श्री मनोज चौरसिया का मोबाइल नंबर 8286335291 एवं ऑटो नंबर 04 2711 है।

# सकल तम्बोली समाज के केलेण्डर का वितरण करते हुए...

# संयुक्त अपील

## अखिल भारतीय तम्बोली समाज के सभी वरिष्ठ एवं कनिष्ठ समाज के भाई बहनों को नमस्कार



श्री रमेश लक्खुलाल चौरसिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा, दिल्ली




श्री वीरेन्द्र पटेल राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष, अखिल भारतीय कुमरावत तम्बोली समाज एवं सचिव, संयुक्त तम्बोली समाज न्यास, ओंकारेश्वर



श्री सतीष कपूर चन्द कुमरावत अध्यक्ष, संयुक्त तम्बोली समाज न्यास, ओंकारेश्वर

श्री विजय सिंह यदुवंशी सचिव, तम्बोली समाज विकास संस्था, राजस्थान एवं उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा, दिल्ली



श्री शैलेन्द्र यादव राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री, अखिल भारतीय यदुवंशी समाज,जयपुर

श्री कैलाशचन्द तम्बोली अध्यक्ष कुमरावत तम्बोली समाज, राजस्थान एवं उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा, दिल्ली



श्री नन्दकिशोर कुमरावत कोषाध्यक्ष, संयुक्त तम्बोली समाज न्यास, ओंकारेश्वर

श्री विक्की गौरव चौरसिय अध्यक्ष मध्यप्रदेश, अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा, दिल्ली



श्री ब्रह्मदत्त चौहान अध्यक्ष, कुमरावत तम्बोली समाज, मण्डलेश्वर

श्री रूपनारायण मोदी अध्यक्ष, कुमरावत तम्बोली समाज, मंदसौर

श्री कैलाश मांदलिया अध्यक्ष कुमरावत तम्बोली समाज, भानपुरा

श्री अनिल मोदी पूर्व अध्यक्ष, कुमरावत तम्बोली समाज, देवास

श्री कृष्णगोपाल तम्बोली समाज सेवी, भीलवाड़ा

श्री सुरेश सूर्यवंशी समाज सेवी, शिवनी मलापुरा

श्री भोलाराम कुमरावत समाज सेवी, टाक मऊ

श्री लोकेश कुमार मोदी समाज सेवी, कुकडेश्वर

श्री सदाशिव डोंगरे समाज सेवी, आरूद

विगत कुछ दिनों से कुमरावत तम्बोली समाज के मध्य मृत्यु भोज को बंद करने के प्रश्न को लेकर सम्पूर्ण कुमरावत समाज में चर्चा का विषय होकर वाद विवाद की स्थिति निर्मित हो रही है। इस प्रश्न का हल करने के लिये आप सभी कुमरावत तम्बोली समाज के बंधुओं को आपस में विचार विमर्श कर निर्णय लेना होगा। क्योंकि मृत्यु भोज हिन्दू समाज में फैली हुई एक ऐसी कुरीति है जिसे इतनी आसानी से रोकना तो संभव नहीं है, परन्तु यदि समाज चाहे तो इस प्रथा को परिसीमित जरूर किया जा सकता है। और इसके लिए समाज को मिलकर यह शपथ लेनी होगी कि समाज में किसी की मृत्यु होती है, तो तेरहवें पर पगडी की रस्म तो होगी लेकिन उसके पश्चात लेन बाँटने की प्रथा को तथा समाज के लिये भोजन व्यवस्था को आवश्यक ना करके स्वैच्छिक कर दिया जाये और यदि शोकाकूल परिवार स्वेच्छा से अपनी क्षमता अनुसार समाज को पगड़ी पश्चात् भोजन करवा सकता है और नहीं तो शोकाकूल परिजन अपने परिवार के सदस्य तथा सगे सम्बंधी के भोजन की व्यवस्था करके भी कार्यक्रम को समाप्त करने के लिये स्वतंत्र रहेगा।

दूसरा प्रश्न है कि पगड़ी की रस्म के पश्चात् समाज की लेन बाँटी जाती है और उसे बंद करके शोकाकूल परिवार अपनी स्वेच्छा से स्थाई पंच को समाज कल्याण के लिये तथा निर्धन बच्चों की शिक्षा के लिये नगद राशि 11,000/— रूपये दान देकर रसीद प्राप्त कर सकते है और स्थाई पंच अपनी स्वेच्छानुसार दान की राशि 11,000/— रूपये से कम भी कर सकते है और यदि समाज के शोकाकूल परिवार 11,000/— रूपये से अधिक दान राशि देना चाहता है, तो वह स्वीकार होगी। उक्त प्राप्त धन राशि समाज कल्याण के लिये तथा निर्धन बच्चों की शिक्षा के लिये उपयोग में ली जावेगी।

आप सभी के विचार एवं सहमति के पश्चात्, मीटींग का आयोजन करने के पश्चात् सर्व सहमति से निर्णय लिया जायेगा।

**- निवेदक —**

श्री वीरेन्द्र पटेल एवं
समस्त अखिल भारतीय कुमरावत तम्बोली समाज
वॉटसअप नं. 9926477643

श्री विजय सिंह यदुवंशी एवं
समस्त तम्बोली समाज विकास संस्था, राजस्थान
वॉटसअप नं. 9413358207

समस्त अखिल भारतीय कुमरावत, चौरसिया, यदुवंशी तम्बोली समाज

# अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली के लखनऊ में हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदय के चुनाव की झलकियां

# सकल तम्बोली समाज न्यास ओंकारेश्वर में धर्मशाला निर्माण भूमि और भोपाल सामूहिक सम्मेलन में सकल तम्बोली समाज न्यास द्वारा नि:शुल्क चाय वितरण का आयोजन किया गया

# सकल तम्बोली समाज द्वारा भोपाल में आयोजित सामूहिक सम्मेलन एवं समाज संगठन द्वारा चलाए जा रहे सामाजिक कार्यों की झलकियां

# सकल तम्बोली समाज द्वारा भोपाल में आयोजित सामूहिक सम्मेलन एवं समाज संगठन द्वारा चलाए जा रहे सामाजिक कार्यों की झलकियां